आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :498 पृष्ठ -4 दिनांक 08 जून 2025 दिन रविवार

रवि किशन ने मां को समर्पित किया सिंदूर का पौधा कहा-पेड़ और मां दोनों जीवन की जड़ हैं

यूपी के गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ला ने रविवार को तारामंडल स्थित अपने आवासीय परिसर के पार्क में सिंदूर का पौधा रोपित कर एक भावनात्मक और प्रेरणादायी पहल की. यह पौधारोपण उन्होंने अपनी पूज्य माता जी के नाम समर्पित किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मां जीवन की जड़ होती हैं, और पेड़ धरती का भविष्य. अगर हम दोनों को सहेजें, तो समाज भी सशक्त होगा और प्रकृति भी सुरक्षित.रवि किशन ने सिंदूर के पौधे को खासतौर पर चुना जो भारतीय परंपरा में शक्ति, सौभाग्य और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है. उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मेरी पूज्य माता जी आज भी मेरे जीवन में प्रेरणा की सबसे बड़ी स्रोत हैं. उनके आशीर्वाद से ही मैं जनसेवा और संस्कृति के लिए काम कर पा रहा हूं. सिंदूर का यह पौधा उनके सम्मान में मेरी भावनात्मक भेंट है.पीएम मोदी और सीएम योगी को बताया प्रेरणा स्रोतरवि किशन शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी प्रेरणा बताया.

उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और संस्कृति के बीच सेतु का कार्य किया है. वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौसेवा, वृक्षारोपण और सनातन संस्कृति को लेकर जो कार्य कर रहे हैं, वह हम सभी जनप्रतिनिधियों के लिए उदाहरण हैं.गोरखपुर को हरित संकल्प से जोड़ने का संदेशतारामंडल पार्क में सिंदूर का पौधा लगाकर रवि किशन ने यह भी संदेश दिया कि हर नागरिक को कम से कम एक पेड़ अपने माता-पिता या किसी प्रेरणा स्रोत के नाम पर लगाना चाहिए और उसकी रक्षा का संकल्प लेना चाहिए. इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, बल्कि हमारी संस्कृति और भावनात्मक संबंध भी मजबूत होंगे.सांसद की इस पहल को देखकर कई स्थानीय लोगों ने भी अपने घरों और मोहल्लों में पौधारोपण की इच्छा जताई. लोगों ने इसे एक संवेदनशील नेतृत्व और संस्कारयुक्त राजनीति की मिसाल बताया. सांसद रवि किशन शुक्ला का यह वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्क. ारों और पर्यावरणीय चेतना का संगम है. सिंदूर का यह पौधा उनकी माता जी के प्रति सम्मान के साथ-साथ समाज को हरियाली और संस्कृति से जोड़ने वाला एक हरित संदेश बन गया है.

फिरोजाबाद दूध-जलेबी बनी जानलेवा, परिवार के मुखिया की मौत, चार की हालत नाजुक

फिरोजाबाद के टूंडला कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदाबाद बन्ना गांव में 5 जून को दूध और जलेबी का सेवन करना एक परिवार को भारी पड़ गया. शाम के वक्त परिवार के सभी सदस्यों ने दूध और जलेबी का सेवन किया और शुक्रवार की सुबह परिवार के पांच सदस्यों की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें आगरा के निजी अस्पताल में भर्ती करना पड़ा.अस्पताल में उपचार के दौरान परिवार के मुखिया की मौत हो गई. वहीं अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है. घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है.मामला थाना टूंडला के हाईवे के निकट बन्ना रोड, जैन एन्ड संस कोल्ड. स्टोरेज के निकट का है. गांव मोहम्मदाबाद निवासी सत्यपाल यादव 47 ने अपने खेत पर ही मकान बना लिया है. बृस्पतिवार रात्रि को परिवार के सभी ने लोगों ने खाना खाने के बाद दूध जलेबी खाई थी जिसके बाद सभी सो गए थे.सुबह नहीं उठे तो हुआ खलास शुक्रवार सुबह सात बजे करीब पुत्र बंटी ने अपनी व परिवार की हालत देखी तो वह घबरा गया. उसने तत्काल गांव में रह रहे अपने चाचा विश्वनाथ यादव को सूचना दी. मौके पर पहुंचे चाचा विश्वनाथ परिवार की हालत बेहद खराब देख आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए आगरा ले गए.मुखिया की हो गयी मौतसभी परिजनों को प्राइवेट अस्पताल भर्ती कराया. उपचार के दौरान सत्यपाल यादव की मौत हो गई. वहीं अस्पताल में पिता साहब सिंह यादव 75, पत्नी उर्मिला 45, बेटी सिमरन 23 और बेटा बंटी 25 का अस्पताल में उपचार चल रहा है. मृतक सत्यपाल के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए आगरा जिला अस्पताल भेज दिया है.थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह के मुताबिक कि घटना कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई है. घटना की जांच कर कर कार्रवाई की जाएगी. जबकि अभी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने भी घटना के सम्बन्ध में कोई सुध नहीं ली है.

केदारनाथ जा रहे हेलीकॉप्टर की बीच हाईवेपर हुई इमरजेंसी लैंडिंग, 7 लोग थे सवार, एक वाहन क्षतिग्रस्त

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ दर्शन के लिए जा रहे हेलीकॉप्टर को बीच हाईवे लैंड करवाना पड़ा. फाटा बड़ासू के पास हाईवे पर इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया. बताया जा रहा है कि क्रेस्टेल एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के हेलीकॉप्टर ने यात्रियों को लेकर सिरसी से भरते समय हेलीपैड के बजाय सड़क पर एहतियातन लैंडिंग की. इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बाकी शटल ऑपरेशंस तय कार्यक्रम के अनुसार सामान्य चल रहे हैं. गौरतलब है कि रुद्रप्रयाग के बडासू इलाके में केदारनाथ के लिए जा रहे एक हेलीकॉप्टर में टेक्निकल खराबी आ गई. इसके चलते अचानक हेलीकॉप्टर को सड़क पर लैंड करना पड़ा. इसमें श्रद्धालु बैठे थे, तो केदारनाथ दर्शन के लिए जा रहे थे. हालांकि, कोई बड़ा हादसा होता, इससे पहले पायलट ने सूजबूझ दिखाई और हाईवे पर ही हेलीकॉप्टर लैंड कर दिया. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया. बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर के टेकऑफ होते ही पायलट को तकनीकी खराबी का पता चल गया और तुरंत ही लैंडिंग करा दी गई. इस हेलीकॉप्टर में पायलट, को-पायलट और पांच श्रद्धालु सवार थे. सूचना मिली है कि को-पायलट को हल्की चोट लगी है. यातायात हुआ बाधित बता दें कि क्रिस्टल हेलीकॉप्टर की बड़ासू के पास मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर हार्ड लैंडिंग कराये जाने के कारण दोनों और से फिलहाल यातायात पूरी तरीके से बाधित हो गया है. हेलीकॉप्टर को सड़क से हटवाए जाने में अत्यधिक समय लगना संभावित है. ऐसे में प्रशासन की ओर से केदारनाथ धाम की यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया कि वे फिलहाल जहां पर हैं, उसके आस-पास ही रुक जाएं. उक्त क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर को हटाए जाने के पश्चात इस स्थल पर वाहनों की आवाजाही को सुचारु किया जाएगा.बता दें, मई 2025 में केदारनाथ धाम में लैंडिंग के समय हेली एम्बुलेंस हादसे का शिकार हो गई थी. वो हेली एंबुलेंस ऋषिकेश एम्स की थी, जोकि ऋषिकेश से केदारनाथ जा रही थी. इससे पहले भी 8 मई को गंगोत्री धाम जा रहे एक हेलिकॉप्टर में खराबी आने से वह गंगनानी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. सूचना मिली थी कि उस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई थी.

बांके बिहारी मंदिर में VIP दर्शन के नाम पर फर्जीवाड़ा, दो फर्जी बाउंसर गिरफ्तार

मथुरा में फर्जी बाउंसरों के सहारे वीआईपी दर्शन कराने की शिकायत पर पुलिस ने ऐसे दो बाउंसरों को गिरफ्तार किया है. ये लोग वृन्दावन आने वाले श्रद्धालुओं को काफी समय से ठग रहे थे. यही नहीं ये लोग ष्माधव बाउंसर ग्रुपष के नाम से सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर रहे थे और सीधे श्रद्धालुओं से संपर्क साधने के लिए मोबाइल नंबर भी शेयर कर रहे थे.पुलिस को शिकायत मिली थी कि पिछले कई दिनों से बाउंसर ग्रुप द्वारा बांके बिहारी मंदिर में टप्च दर्शन कराने का खेल चल रहा है. यही नहीं बाकायदा वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर जारी किए जा रहे थे. जिनसे श्रद्धालु इनके झांसे में फंस रहे थे. वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने ये कार्रवाई की है.मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर हुई कार्रवाईइस ग्रुप की दबंगई जब बांके बिहारी मंदिर में बढ़ गयी तो बांके बिहारी मंदिर कमेटी ने इस फर्जीवाड़े की शिकायत थाना वृंदावन में की थी. जिसमें जांच के बाद पुलिस ने दो युवकों रोहित और लक्की को गिरफ्तार किया है जो स्वयं को बाउंसर बताकर

श्रद्धालुओं को गुमराह कर रहे थे. सीओ सिटी ने बताया की मंदिर कमेटी की शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर इन दो को गिरफ्तार किया गया है. इनके बारे में अभी और जानकारी की जा रही है कि इसमें कौन कौन और शामिल हैं. जांच में ये भी आया है कि ये लोग श्रद्धालुओं से मोटी रकम भी वसूलते थे.आस्था के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगीदरअसल मथुरा और वृन्दावन में रोजाना ही बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालू पहुँचते हैं. जिस कारण ज्यादातार मंदिरों में भीड़ रहती है. इसलिए इन बाउंसर ग्रुप ने इस तरह का टप्च दर्शन का खेल रचा और लोगों की आस्था के नाम पर उनके साथ ठगी की जा रही थी.इसके अलावा भी मथुरा-वृन्दावन में अक्सर श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की भी खबरें आती रहीं हैं. जिसको लेकर भी स्थानीय पुलिस पर सवाल उठते रहे हैं. अब इस तरह का फर्जी बाउंसर गैंग का पकड़ा जाना कई सवाल खड़े करता है.

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 1.91 करोड़ के बकाया बिजली बिल पर लगी रोक

संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को बिजली चोरी के आरोप में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर बिजली विभाग ने 1 करोड़ 91 लाख का जुर्माना लगाया था. अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के बिजली के बाकाया बिल रोक लगाई है. सपा सांसद के खिलाफ जारी हुए 15 मई 2025 के आदेश पर कोर्ट ने रोक लगाई है. इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और जस्टिस संदीप जैन की डबल बेंच ने आदेश दिया है.बिजली विभाग ने सपा सांसद 1.91 करोड़ रुपये वसूली का नोटिस दिया था. इसे लेकर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के वकील ने कहा कि बिजली विभाग पिछले 12 साल का जुर्माना वसूल रहा है, जबकि वसूली सिर्फ1 साल की होनी चाहिए. इस पर कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि दो हफ्ते के अंदर प्रतिवादी संख्या 3 यानी संभल विद्युत विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन डिवीजन के पास 6 लाख रुपये जमा करें. इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता का बिजली कनेक्शन जो अस्थायी रूप से काटा गया हो उसे तत्काल भविष्य के बिलों के समय पर भुगतान की शर्त पर बहाल बनाए रखा जा सकता है. हालांकि इस मामले में अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी.सपा सांसद के खिलाफ बिजली चोरी का मामला भी हुआ था दर्जबता दें कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर बिजली विभाग की छापेमारी के दौरान जांच में गड़बड़ी पाई गई. इसे लेकर बिजली विभाग ने सपा सांसद के खिलाफ बिजली चोरी का मामला भी दर्ज किया था. इतना ही नहीं सपा सासंद के सहयोगियों पर बिजली विभाग के अधिकारियों को भी धमकाने का आरोप भी लगा था. इसके बाद बिजली विभाग ने उन पर एक करोड़ 91 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उनके घर की बिजली भी काट दी थी.

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर पर बढ़ा विवाद, गोस्वामियों . का प्रदर्शन जारी, पहुंचे सीएम योगी के सलाहकार

वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में सरकार द्वारा बनाए जा रहे कॉरिडोर और मंदिर ट्रस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आद. ेश आने के बाद जिला प्रशासन कॉरिडोर बनाने के काम को जल्दी से जल्दी अमली जामा पहनाने में लगा है, तो वहीं दूसरी तरफ मंदिर के सेवायत गोस्वामियों द्वारा पिछले एक हफ्ते से मंदिर के गेट नंबर 1 पर लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है.स्थानीय प्रशासन के समझाने के बाद भी लोग अभी भी इस पर सहमत नहीं हुए हैं. वहीँ अब इस पर राजनीतिक दल भी दखल देने पहुंच रहे हैं. खुद सीएम योगी के सलहकार अवनीश अवस्थी भी विरोध कर रहे लोगों से बात करने पहुंचे.सेवायत गोस्वामियों के इस प्रदर्शन को आसपास के धार्मिक क्षेत्र बरसाना, बलदेव और पंडा समाज का भी समर्थन मिलने लगा है. इसके साथ ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कल मंदिर पर आंदोलन कर रही गोस्वामी समाज की महिलाओं के समर्थन में बांके बिहारी मंदिर पहुंचे और उनको अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया और मंदिर अधिग्रहण का उन्होंने विरोध जताया.तेज हो रहा विरोध-प्रदर्शनएक तरफ जहां मथुरा एसएसपी मथुरा जिलाधिकारी और डीआ. ईजी आगरा और कमिश्नर आगरा सहित तमाम जिले के आल्हा अधिकारी आंदोलनकारी और कॉरिडोर से प्रभावित लोगों को मनाने में लगे हैं तो वहीं दूसरी तरफ मंदिर के सेवायत गोस्वामी कभी मंदिर के गेट पर थाली बजाकर, कभी मंदिर के गेट पर काली पट्टी बांधकर, कभी मंदिर के गेट पर हवन यज्ञ कर कर और कभी गोस्वामी समाज की महिलाएं हाथों में कॉरिडोर विरोध के होडिंग्स लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.इसी क्रम में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूत बनकर उनके मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी वृंदावन पहुंचे. जहां उन्होंने पहले बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर सेवायत गोस्वामियों से बात की. उसके बाद वृंदावन स्थित टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर पर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों के साथ एक लंबे दौर की बैठक की. जिसमें कुछ लोगों ने इस बैठक का बहिष्कार भी किया और प्रशासन पर जबरन दबाव बनाने का आरोप भी लगाया कहा कि जिस बैठक में हमें बुलाया गया है वहां हम ही नहीं बोल सकते तो उसे बैठक का फायदा क्या है. मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने बताया कि आज हमने गोस्वामी समाज के लोगों और स्थानीय लोगों से चर्चा हुई है. जिसमें उनके सुझाव आए हैं और सरकार की मंशा है कि जिस तरह से अन्य जगहों पर विकास हुआ है. इस तरह से वृंदावन में विकास हो, लेकिन सबके साथ मिलकर सहमति से आगे के कार्य होंगे. इसी पर विचार किया गया है. अभी पहले राउंड की बात हुई है आगे की बात होगी.

प्यार को पाने के लिए युवक बना फर्जी इंस्पेक्टर, पत्नी ने खोला राज तो पुलिस ने किया गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक हैरान और परेशान करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक बेरोजगार युवक अपने प्यार को पाने के लिए ना केवल फर्जी इंस्पेक्टर बन गया बल्कि अब उसे अपनी जिंदगी का काफी वक्त जेल के सलाखों के पीछे काटना पड़ेगा. इस युवक के फर्जीवाड़े का खुलासा काफी समय बाद तब हुआ जब वह ज्यादा से ज्यादा समय अपने घर पर बिताने लगा. युवक पर आरोप है कि उसने पुलिस इंस्पेक्टर बताकर युवती से शादी की और फिर उसके साथ लगातार मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न किया. आरोपी शहजाद अहमद पुत्र मुस्ताक अहमद, निवासी कस्बा थाना हा. फिजगंज, बरेली ने दिसंबर 2024 में युवती से फर्जी पहचान के आधार पर विवाह किया था. शहजाद ने पुलिस की वर्दी पहनकर शादी की और खुद को हाफिजगंज थाने में तैनात इंस्पेक्टर बताया. लेकिन समय बीतने के साथ पत्नी को शक हुआ क्योंकि वह न तो नौकरी पर जाता था और न ही किसी थाने में तैनात था.पीड़िता द्वारा 3 जून 2025 को थाना बारादरी में शिकायत दी गई. पुलिस ने जांच की और पता चला कि आरोपी ने न सिर्फ पुलिस की वर्दी सिलवा रखी थी, बल्कि वर्दी पर बैज, स्टार, आईडी कार्ड, पुलिस का लोगो, बेल्ट और नाम प्लेट भी लगवा रखी थी. आरोपी के पास दो आधार कार्ड, दो आईडी कार्ड और उत्तर प्रदेश पुलिस का फर्जी कार्ड बरामद किया गया है. इसके अलावा सोशल मीडिया पर उसने पुलिस की वर्दी में फोटो और वीडियो पोस्ट कर रखे थे, जिससे वह खुद को इंस्पेक्टर साबित करने की कोशिश करता था.सीजीएल व पुलिस भर्ती की तैयारी करता था युवकआरोपी को बरेली के 300 बेड अस्पताल से गिरफ्तार किया गया, जहां वह इलाज के नाम पर भर्ती था. पूछताछ में उसने बताया कि उसने बीकॉम की पढ़ाई की है और सीजीएल व पुलिस भर्ती की तैयारी करता था लेकिन सफल नहीं हो सका. नौकरी न मिलने पर उसने झूठ बोलकर शादी कर ली और फर्जी इंस्पेक्टर बनकर पत्नी को गुमराह करता रहा. जब पत्नी ने नौकरी को लेकर सवाल उठाए तो उसने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया. गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं 418/419/336ध्337/420/506 ठछै में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है.

हाथरस में बकरीद का त्योहार ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने अदा की नमाज, अमन-चौन की मांगी दुआ

हाथरस में बकरीद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। मुरसान गेट स्थित ईदगाह पर सुबह 7 बजे से ही नमाजियों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। 7ः15 बजे हाफिज मोहम्मद इनाम साहब ने नमाज अदा करा. ई। ईदगाह में भीड़ बढ़ने पर प्रशासन ने लोगों को अन्य मस्जिदों में नमाज अदा करने की घोषणा की।प्रशासन ने सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर नमाज अदा करने पर रोक लगा रखी थी। इस मौके पर मुस्लिम इंतजामियां कमेटी के सदर राहत अहमद कुरैशी, डॉ. रईस अहमद अब्बासी, कुर्बान अली शहजादा, समेत काफी लोग शामिल हुए। राजनीतिक दलों से सपा नेता बृजमोहन राही, लल्लन बाबू एडवोकेट,बसपा जिला अध्यक्ष राज कपूर, कांग्रेस जिला अध्यक्ष विवेक उपाध्याय भी मौजूद रहे।सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीएम राजबहादुर और सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण पुलिस बल के साथ तैनात रहे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबा. रकबाद दी। कई घरों में कुर्बानी की रस्म भी अदा की गई। शहर के आसपास के कस्बों में भी बकरीद का त्योहार मनाया गया। मुरसान में नगर पंचायत अध्यक्ष देशराज सिंह और जिला पंचायत सदस्य गरुड़ ध्वज सिंह ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।काफी पुलिस फोर्स रहा मौजूदवहां भी पुलिस बल और अधिकारियों की मौजूदगी में नमाज अदा की गई। मुस्लिम बस्तियों में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। सिकंद्राराऊ, सादाबाद, सासनी, सहपऊ, अल्लैपुर, परसारा, हसायन आदि कस्बों और गांवों में भी ईद की नमाज शांतिपूर्वक तरीके से अदा हुई।

हाथरस में दो कारों की टक्कर गंगा स्नान जा रहे 7 लोग घायल, जिला अस्पताल में कराया इलाज

हाथरस में आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर इगलास रोड बाईपास के पास दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में 7 लोग घायल हो गए। घटना में एक वैगनआर कार और अल्टिका कार शामिल थीं।हा. थरस की सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव कुरसंडा के निवासी वैगनआर कार से गंगा स्नान के लिए गंगा घाट जा रहे थे। हा. थरस में आगरा अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर इगलास रोड बाईपास पर सामने से आ रही अल्टिका कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया।कार भी हुई क्षतिग्रस्त...हादसे में सुनीता शर्मा, विनीता शर्मा, प्राची, रिद्धि, दिव्या, रीता सहित 7 लोग घायल हुए। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। टक्कर में वैगनआर कार क्षतिग्रस्त हो गई।

ईद अल-अजहा पर शांतिपूर्वक अदा की गई नमाज सादाबाद में हजारों नमाजियों ने मांगी देश की तरक्की और अमन की दुआ

सादाबाद तहसील और आसपास के क्षेत्रों में ईद अल-अजहा का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया गया। सादाबाद, सहपऊ, तकिया, गुतहरा और गढ़ी चमरपुरा सहित विभिन्न गांवों में श्रद्धालुओं ने ईदगाह और मस्जिदों में नमाज अदा की।नमाज के दौरान श्रद्धालुओं ने देश की तरक्की और शांति के लिए दुआएं मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। कई हिंदू नेताओं ने भी पहुंचकर मुस्लिम समुदाय को बधाई दी।सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सादाबाद में सीओ और सहपऊ में कोतवाली भरवारी की निगरानी में पुलिस बल तैनात रहा। एसडीएम राजेश कुमार, सीओ हिमांशु माथुर और प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार भी मौजूद रहे।इस अवसर पर लोगों ने पैगंबर हजरत इब्राहिम के त्याग और समर्पण को याद किया। घरों में महिलाओं ने अलग से नमाज अदा की। समाज के जरूरतमंद लोगों को सदका-ए-फितर और जकात के रूप में दान दिया गया। लोगों ने अपने घरों पर मेहमानों को दावत दी और कुर्बानी का जज्बा भी दिखाया।

हाथरस में नाली विवाद में हत्या का मामला

हाथरस के सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव जरीनपुर भुर्राका में नाली से पानी निकालने के विवाद में हुई हत्या के मामले में न्यायालय ने चार आरोपियों को दोषी करार दिया है।अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या प्रथम महेंद्र श्रीवास्तव की कोर्ट ने सभी दोषियों को उम्रकैद और अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना 2 जनवरी 2023 की है। गांव के लक्ष्मण सिंह का अपने ही गांव के अरविंद से नाली से पानी निकालने को लेकर विवाद हुआ था। लोगों ने उस समय मामला शांत करा दिया था।उसी दिन दोपहर 3ः30 बजे लक्ष्मण सिंह का पुत्र बंटू उर्फ बृजभूषण पशुओं को चारा डालने जा रहा था। इसी दौरान अरविंद और उधम सिंह पुत्रगण अमर सिंह, अमर सिंह पुत्र जय सिंह और अरविंद की पत्नी अर्चना ने बंटू को घेर लिया। आरोपियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी।एडीजीसी मुकेश कुमार ने की पैरवी। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया और मामले में मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी मुकेश कुमार ने पैरवी की। न्यायालय ने आदेश दिया है कि अर्थ. दंड की आधी धनराशि वादी को दी जाए। अर्थदंड न चुकाने पर आरोपियों को अति. रिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

सासनी की ईदगाह में बकरीद की नमाज का आयोजन किया गया

सासनी की ईदगाह में बकरीद की नमाज का आयोजन किया गया। हाफिज मुबारक अली ने नमाज अदा कराई। हजारों की संख्या में नमाजियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया।सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीएम नीरज शर्मा, सीओ योगेंद्र कृष्ण नारायण और प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने पूरे क्षेत्र में सतर्क नजर बनाए रखी।नगर पंचायत प्रशासन ने पेयजल और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर नमाजियों ने गरीब लोगों को पैसे और अन्य सामान दान में दिए। हकीकतमंदों ने भी एक-दूसरे और मौजूद अधिकारियों को ईद की बधाई दी।

हाथरस स्टेशन पर यात्रियों ने दी सूचना, पुलिस शिनाख्त में जुटी, भिखारी होने की आशंका

हाथरस में हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर मथुरा-छपरा एक्सप्रेस में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। यात्रियों ने ट्रेन रुकने पर जीआरपी को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शव को ट्रेन से उतारकर जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने भी इस व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। इसकी उम्र करीब 55 वर्ष है। शव की पहचान नहीं हो पाने के कारण उसके शव को पा. स्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मृतक को देखने से वह भिखारी प्रतीत होता है।शव की पहचान के किया जा रहे प्रयास.जीआरपी हाथरस सिटी प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल उसकी लाश को पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया गया है। इधर,मथुरा से छपरा के बीच चलने वाली इस एक्सप्रेस ट्रेन में शव मिलने से यात्रियों में सनसनी फैल गई।

वैष्णो देवी से सादाबाद लौटे थे, समान उतारते समय हाईटेंशन तार की चपेट में आए

सादाबाद में वैष्णो देवी से लौटी श्रद्धालुओं से भरी बस में करंट उतर गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हैं। जिन्हें इलाज के लिए आगरा ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। मृतक की पहचान कजरौठी निवासी संजय कुमार (40) के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वैष्णो देवी से लौटने के बाद बस जैसे खड़ी हुई तीन यात्री बस के ऊपर सामान उतारने चढ़े। तभी ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट हा. ईटेंशन तार की चपेट में आ गए। संजय कुमार कुमार गा हाथ तार से चट हो गया। उसे करंट लगते ही पुरे बस में करंट उतर गई। उसके साथ चढ़े दो गोल गंभीर रूप से झुलस गए।मौके पर चीख पुकार मच गई। संजय के गिरते ही करंट का असर खत्म हुआ। बस से सभी यात्री किसी तरह बाहर निकले। पुलिस को सूचना दी गई। डायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने संजय को मृत घोषित कर दिया। दो लोगों की स्थिति गंभीर देख आगरा रेफर कर दिया। घटना सादाबाद के प्राइवेट बस स्टैंड के सामने घटी।अस्पताल में भर्ती करायाबस में सवार यात्री ने बताया कि बस में कुल 65-70 यात्री सवार थे। यह बस करीब 8 दिन पहले सादाबाद, कजरौठी, बिसावर, मई, एत्मादपुर और आसपास के गांवों से श्रद्धालुओं को लेकर वैष्णो देवी और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए गई थी।घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सादाबाद और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। बचाव कार्य शुरू किया गया। मामूली रूप से झुलसे श्रद्धालुओं का सीएचसी सादाबाद में उपचार किया गया। क्षेत्रीय विधायक प्रदीप कुमार सिंह उर्फ गुड्डू चौधरी और मुरसान ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय ने सीएचसी पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना। उन्होंने मृतक के परि. जनों और घायलों को सरकारी मदद दिलाने का आश्वासन दिया है।

सादाबाद में बस स्टैंड के सामने अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद गहरा गया

सादाबाद में बस स्टैंड के सामने अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद गहरा गया है। एक छोले-भटूरे विक्रेता ने गुस्से में अपना सारा सामान सड़क पर फेंक दिया। उसका कहना है कि रोजाना ढकेल हटाने से उसका सामान खराब हो जाता है।विक्रेता का आरोपविक्रेता ने परिवार सहित आत्महत्या की धमकी दी है। इस मामले में वह एसडीएम सादाबाद से भी मिला। एसडीएम ने उसे ढकेल को सड़क से पीछे हटाकर लगाने की सलाह दी। विक्रेता का आरोप है कि नगर पंचायत कर्मी और पुलिस ढकेल नहीं लगने दे रहे हैं।आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के बाद सादाबाद बस स्टैंड पर यूपी रोडवेज की बसें नहीं आ रही हैं। बस स्टैंड की स्थिति भी जर्जर है। इसी कारण रास्ते पर छोले-भटूरे, जलेबी और कचौड़ी की ढकेलें लग गई हैं। इन ढकेलों पर भीड़ जुटने से पीछे की दुकानों को परेशानी होती है।वीडियो की जानकारी सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने कहा कि आत्महत्या की धमकी वाले वीडियो की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस किसी को परेशान नहीं कर रही है। एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि ढकेल ऐसी जगह लगाई जाए जहां आवागमन बाधित न हो और अतिक्रमण न हो। पुलिस का प्राथमिक कर्तव्य शांति व्यवस्था बनाए रखना है।

सासनी के कंकाली मंदिर से मुकुट और छत्र चोरी दान पात्र समेत 10000 रुपए का सामान चुराया, पुजारी ने दर्ज कराई शिकायत

सासनी के कंकाली मंदिर में शुक्रवार की देर रात चोरी की वारदात हुई। चोर माता का मुकुट, छत्र और दान पात्र चुरा ले गए। चोरी का पता मंदिर के पुजारी सुनील कुमार को चला।पुजारी ने तुरंत कोतवाली पुलिस और डायल 112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुजारी के मुताबिक चोरों ने करीब 10000 रुपए का सामान चुराया है।घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर पर भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। भक्तों का कहना है कि चोरों की गिरफ्तारी तक वे चैन से नहीं बैठेंगे। पुजारी ने बताया कि मंदिर में पहले कभी चोरी नहीं हुई थी। उन्होंने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज करा दी है।

हाथरस में के अलीगढ़ रोड स्थित शूज शोरूम के 23 वर्षीय मैनेजर भुवनेश उर्फ रजत ने गोदाम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

हाथरस में के अलीगढ़ रोड स्थित शूज शोरूम के 23 वर्षीय मैनेजर भुवनेश उर्फ रजत ने गोदाम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना दोपहर करीब 1 बजे की है। रजत शोरूम के गोदाम में गए और वापस नहीं लौटे।कर्मचारियों को चिंता हुई तो जब एक कर्मचारी गोदाम में गया, तो उसने रजत को फांसी के फंदे पर लटका पाया। आगरा के कालिंद्री बिहार कोतवाली क्षेत्र के शाहदरा निवासी रजत रोजाना हाथरस से आगरा का सफर करते थे। करीब 6 महीने पहले खुले इस शोरूम में वह मैनेजर थे।पूछताछ में शोरूम के एक कर्मचारी रुपेश ने बताया कि रजत एक लड़की से अफेयर था। इस वजह से वह अक्सर परेशान रहते थे। घटना के दिन भी उनकी प्रेमिका से बातचीत हुई थी, जिसके बाद वह तनाव में थे। कुछ दिन पहले उनका दूसरे स्टेट में ट्रांसफर किया गया था। इससे नाखुश होकर उन्हा. ने इस्तीफा भी दे दिया था। इससे भी वह परेशान थेपिता ने जताई हत्या की आशंका पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। इधर मृतक के पिता ने आशंका जताई है कि उनके बेटे की हत्या की गई है। पूरे मामले की जांच पड़ताल होनी चाहिए। मेरा बेटा तो आज राजी खुशी अपने घर से ड्यूटी पर आया था।

नगर निगम ने ईद उल अजहा पर किए उम्दा इंतजाम चलाया विशेष सफाई अभियान

ईद उल अजहा पर नगर निगम की चाक–चौबंद व्यवस्थाओं की भूरि भूरि प्रशंसा– शाह जमाल ईदगाह पर ईदगाह कमेटी व नमाजियों ने नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त को उम्दा इंतजाम कराने पर किया आभार व्यक्त।महानगर की कई मस्जिदों के मुताबिक प्रबंधन समिति व नमाजियों ने ने नगर निगम इंतजामों को सराहा45 अधिकारी–460 सामान्य कर्मचारी–1050 सफाई कर्मचारियों की फौज ने ईद उल अजहा पर किए इंतजाम– ईद उल अजहा के अवसर पर नगर निगम द्वारा चाक–चौबंद इंतजाम किए गए गली मोहल्ले मुस्लिम बस्तियों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई चूने सैनिटाइजेशन अपशिष्टों को उठाने की उम्दा इंतजाम नगर निगम द्वारा किए गए। शाह जमाल ईदगाह पर नगर निगम द्वारा बनवाए गए प्रशासनिक कैंप में ईदगाह कमेटी और नमाजियों ने अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव से उम्दा इंतजाम कराए जाने पर आभार व्यक्त किया।ईद उल अजहा की नमाज की व्यवस्थाओं को सुबह से ही अपर नगर आयुक्त ने अपने अधीनस्थों के साथ शाह जमाल ईदगाह कैंप में पहुंचकर कराया और हर छोटी बड़ी व्यवस्थाओं के लिए नमाजियों और कमेटी के सदस्यों से बात. चीत की नमाज सकुशल संपन्न होने के बाद अधिकारियों कर्मचारियों ने ईद की बधाई दी। अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया कि बकरीद के अवसर पर सुबह से ही नगर निगम में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई और हर एक छोटी गतिविधि की निगरानी इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से की गई। नगर निगम द्वारा अपने सभी पार्षद वार्ड और मुख्य मुख्य मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया इस अभियान में नगर निगम ने 45 अधिकारी 460 सामान्य कर्मचारी 1050 सफाई कर्मचारियों की 250 टीमों को अलग–अलग क्षेत्रों में व्यवस्थाओं के लिए लगाया गयानगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि बकरीद के अवसर पर नगर निगम के अधिकारियो, कर्मचारियों और विशेष रूप से सफाई कर्मचारियों ने दिन रात सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने में अमूल योगदान किया है जिसके परिणाम स्वरूप उम्दा इंतजामों की सराहना ईदगाह कमेटी व नागरिकों द्वारा की गई है जिसके लिए मेरे सभी अधिकारी कर्मचारी और सफाई कर्मचारी बधाई के पात्र हैं

सूचना

विज्ञापन एवं विज्ञप्ति के लिए सम्पर्क करें

कार्यालयः सरोज नगर गली न. 5, क्वार्सी बाईपास रोड, अलीगढ़

हैल्पलाइन न.

8218049162,9870916612

पूर्व विधायक विवेक बंसल ने भी निर्जला एकादशी पर लोगों को शरबत पिलाकर लूटा पुण्य लाभ

अलीगढ़ ।शहर में दान पुण्य का महापर्व निर्जला एकादशी का त्यौहार पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया और इस अवसर पर जगह जगह लोगों ने शीतल जल और शरबत की प्याऊ लगवाई जबकि इसी क्रम में राठी नगर पला रेलवे चौकी में निर्जला एकादशी पर पूर्व विधायक विवेक बंसल ने भी राहगीरों को शरबत का वितरण करते हुए पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान यहां पर पूर्व विधायक के साथ प्रदीप रावत,संतोष गौड़,हेमंत शर्मा,राकेश गुप्ता,पुष्पेंद्र गुप्ता,लोकेंद्र शर्मा,दिव्यांशु शर्मा,लोकेश उपाध्याय,अजय राज गुप्ता और मोहित कुमार आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे हैं।

झांसी में अलीगढ़ का नाम किया रोशनकनक एवं वैशाली करेंगे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग सिल्वर मेडल जीतकर बनाई उत्तर प्रदेश की टीम में जगह

अलीगढ़ ।7 जून 2025 खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ समन्वय से 3 से 6 जून तक झांसी के ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेक. ंडरी स्कूल,खैर रोड अलीगढ़ के चार छात्रों एवं तीन छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें से कनक गौतम एवं वैशाली शर्मा ने सिल्वर मेडल जीता।ये दोनों छात्राएं झांसी में राष्ट्रीय शिविर में रहकर उत्तर प्रदेश की टीम में हरियाणा के रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय चौंपियनशिप में प्रतिभाग करेंग. ी।जिसमें देश के सभी राज्य प्रतिभाग करेंगे।प्रतियोगिता में विद्यालय के तनिष चौधरी,हितेश कुमार,शुभम यादव,हिमांशु कुमार,कनक गौतम,वैशाली शर्मा और मुस्कान ने प्रतिभाग प्रतिभाग किया।इस सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. राजीव अग्रवाल ने कहा कि अपने विद्यालय के विद्यार्थी खेल में जिले ही नहीं प्रदेश में भी अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर मेडल जीत रहे हैं जो सभी के लिए गौरव की बात है।प्रधानाचार्य विजय प्रकाश शर्मा ने कहा कि विद्यालय के बॉक्सिंग कोच हितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में इन विद्यार्थियों के अथक परिश्रम एवं सकारात्मक प्रयास का परिणाम है।इस सफलता पर विद्यालय के शैक्षिक समन्वयक अशोक कुमार,खेल प्रमुख नवीन कुमार,बॉक्सिंग कोच हितेंद्र सिंह, खेल शिक्षक राजकुमार एवं प्रतिभा जादौन ने खुशी जाहिर की।

हाथरस के चंदपा कोतवाली क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक कॉलेज संचालक के बेटे का पुलिस से विवाद

हाथरस के चंदपा कोतवाली क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक कॉलेज संचालक के बेटे का पुलिस से विवाद हो गया। नगला भुस तिराहे पर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक अर्टिगा कार को रोका। पुलिस के मुताबिक कार पर पुलिस कलर का अनाधिकृत लोगो लगा था। चालक और आगे की सीट पर बैठे व्यक्ति ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी।जब एसआई यशवीर सिंह ने सीट बेल्ट न लगाने का कारण पूछा, तो कार से उतरे तीन लोग उत्तेजित हो गए। एक व्यक्ति ने खुद की पहचान अधीर पचौरी पुत्र गिरीश पचौरी के रूप में दी। उसने बताया कि वह रोहई गांव का रहने वाला है और उसके कई कॉलेज हैं। उसने पुलिस को धमकी दी और कहा उसके कॉलेज में सीआरपीएफ फोर्स रुकी है। पुलिस जब वाहन चालान करने लगी तो अधीर पचौरी ने एसएसआई केशव दयाल और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ धक्का–मुक्की की।मौके पर लगा जाम, सरकारी कार्य में डाली बाधाउसने केशव दयाल की वर्दी खींची और उन पर 10 हजार रुपए मांगने का झूठा आरोप लगाया। पुलिस और स्थानीय लोगों के समझाने के बावजूद वह नहीं माना और सरकारी कार्य में बाधा डालता रहा। इससे वहां जाम लग गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हर हाल में होगा व्यापारिक समस्याओं का समाधान लोकेश अग्रवाल नवनिर्मित कार्यालय से व्यापारियों को मिलेगी वड़ी राहत

उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उ प्र पंजी. अलीगढ़ के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उदघाटन समारोह लक्ष्मनपुरम कालौनी नगला मसानी में प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग. वाल व महापौर श्री प्रशांत सिंहल के कर कमलों द्वारा फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर किया गया। इसके वाद कार्यालय में हुई सभा में उपस्थित व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा कि व्यापारियों के लिऐ शहर के मध्य में नवीन कार्यालय खुलने से व्यापारिक समस्याओं को ओर अधिक तेजी के साथ निपटायें जाने में सहयोग मिलेगा अलीगढ़ में सभी सुविधाओं सहित यह पहला व्यापार मंडल का कार्यालय होगा जिसमें 100 व्यापारी एक साथ बैठकर व्यापारी समस्याओं पर बैठक कर सकते हैं।प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल ने अलीगढ़ टीम को बधाई देते हुए कहा कि अलीगढ़ का यह सर्वश्रेष्ठ कार्यालय अन्य जनपदों के लिए प्रेरणादायक होगा किसी की संगठन की मजबूती की रीढ़ उसका कार्यालय ही होता है क्योंकि सारी व्यवस्थाएं कार्यालय से संचालित होती है।उन्होंने कहा कि 15 जून को अलीगढ़ के जुपीटर लॉज में विशाल व्यापारी महाघोष एवं प्रदेश पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह होना है। जिसमे सम्पूर्ण प्रदेश से व्यापारी प्रतिनिधि भाग लेंगे।महापौर प्रशांत सिंहल ने कहा कि जिस रफ्तार से यह व्यापार मंडल कार्य कर रहा है उससे लगता है कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान होना अव दूर नही रह गया है। व्यापारियों के लिए विशाल व्यापारी कार्यालय वनाना एवं हर स्तर पर व्यापारी समस्याओं के प्रति जागरूक रहकर कार्य करना प्रशंसनीय है।महानगर अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह ने कहा कि नवनिर्मित कार्यालय प्रतिदिन शायं 6 से 8 वजे तक व्यापारिक समस्याओं के समाधान के खुला रहेगा जिस किसी व्यापारी को किसी भी विभाग से परेशानी है तो वह आकर लिखित में दे सकता है उसकी समस्या संबंधित अधिकारियों से मिलकर अवश्य दूर कराई जाएगी। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री हरिकिशन अग्रवाल ने कहा कि वह दिन दूर नही जव अलीगढ़ का व्यापारी एक वेनर तले एकजुट होकर अपनी लड़ाई मजवूतीके साथ लड़ेगा अब व्यापारी किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष अमित सर्राफ,प्रदेश वरिष्ठ मंत्री प्रमोद कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री संजीव अग. वाल ने कहा कि वह हर संभव सहयोग करके नवीन कार्यालय को ओर अधिक सुविधाजनक करेंगे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित अरुन गोयल प्रदेश वरिष्ठ मंत्री उद्योग मंच, शर्मिला वार्ष्णेय महिला प्रदेश मंत्री, जिला महामंत्री राकेश लीडर, अनिल वसंल, कोषाध्यक्ष सुमित एडमिन, मुनेश पाल सिंह, यश कुमार वावा,महानगर महामंत्री कौशल सिंह, अमित सारस्वत युवा जिलाध्यक्ष सन्तोष वाष्णेय,युवा महानगर अध्यक्ष कमल गुप्ता वावा, महिला महानगर अध्यक्ष रंजना वार्ष्णेय,छवि चौहान, दीक्षा भटनागर, कुसुम लता, अंजू वाला, रवीन्द्र जोशी, वीरेंद्र गुप्ता, आमोद महाशह, चौधरी वीरेंद्र सिंह प्रदीप वर्मा, लकी वार्ष्णेय, सुमित वार्ष्णेय,कुलदीप सिंह टीटू, विनोद माहौर पार्षद, चौधरी दीपक सिंह पार्षद, राकेश सिंह पार्षद, योगेश वार्ष्णेय, ज्ञान प्रकाश वार्ष्णेय,सचिन सागर, राहुल अग. वाल, राहुल मित्तल,अजय शर्मा, विशाल शर्मा, कृष्ण कुमार गोयल,फैसल खान,आशू खान, नितिन कुमार, खैर, राजीव मित्तल, ललित कुमार,दुर्गेश वार्ष्णेय,कपिल गुप्ता अतरौली, लोकेश, गोपाल राजपूत, रामपाल, रंजीत, शेर सिंह,पवन तौमर, मनीष नीलगिरी,राहुल वार्ष्णेय आदि सैकड़ों की तादाद में व्यापारी उपस्थित थे।

दृष्टिकोण मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है आतंकवाद, आतंकी जहां भी होंगे, भारत उन्हें खत्म करने से नहीं हिचकेगा राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह। आज आतंकवाद पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। यह मानवता, शांति, सहअस्तित्व, विकास और लोकतंत्र जैसे मूल्यों का शत्रु है। यह एक ऐसे कट्टर सोच का परिणाम है, जो सिर्फ विनाश, भय और नफरत को जन्म देता है। इतिहास इसका साक्षी है कि आतंकवाद हर दृष्टि से विध्वंसक है। यह भ्रम ही है कि कोई आतंकी "स्वतंत्रता सेनानी" हो सकता है। कोई भी मजहबी, वैचारिक या राजनीतिक कारण आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं, बल्कि सिर्फ घृणा, बर्बादी और हताशा जन्म लेती है। कोई मानवीय उद्देश्य कभी भी खून–खराबे और हिंसा से हासिल नहीं किया जा सकता।

प्राकृतिक आपदाएं और महामारियां तो समय के साथ समाप्त हो गईं, लेकिन आतंकवाद ऐसी महामारी है, जो अपने आप खत्म नहीं होगी। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। जब तक इसका अस्तित्व रहेगा, वह विश्व शांति और सहअस्तित्व की भावना को नुकसान पहुंचाता रहेगा। भारत ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में पूरी दुनिया के सामने मिसाल पेश की है। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंक का भारत दशकों से शिकार रहा है। पहलगाम में बेगुनाह पर्यटकों को केवल उनके मजहब के आधार पर मारा गया। यह क्रूरता–बर्बरता की पराकाष्ठा थी। इस हमले का मकसद भारत की एकता तोड़ना और देश में डर फैलाना था, पर ऐसी घिनौनी कोशिश हमेशा नाकाम ही होती है। कोई मजहब निर्दोषों की हत्या उचित नहीं ठहराता। आतंकी केवल मजहब का नाम लेकर और अपने कुकर्मों को वैधता देने की कोशिश करते हैं।अब हमारी नीति है कि आतंकी जहां भी होंगे, हम उन्हें समाप्त करने से नहीं हिचकेंगे। इसके साथ ही आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार और आतंक के मास्टरमाइंड के बीच अंतर किए बिना मुंहतोड़ जवाब देंगे। भारत अब पहले की तरह केवल प्रतिक्रिया करने वाला देश नहीं रहा। हमारी नीति में मौलिक परिवर्तन आया है। अब हम आतंक के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' नीति पर चलते हैं। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 का आपरेशन सिंदूर हमारी इस नई नीति और सं. कल्पबद्धता का प्रमाण हैं। अब हम यह भेद भी नहीं करेंगे कि आतंकी राज्य प्रायोजित हैं या किसी संगठन से जुड़े हैं। जो देश आतंक को समर्थन देते हैं, उन्हें अब सीधा जवाब दिया जा रहा है।

कुछ समय पहले 'नो मनी फार टेरर' सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, "हम एक अकेले हमले को भी कई हमलों के समान मानते हैं। जब तक आतंकवाद का समूल नाश नहीं हो जाता, भारत शांत नहीं बैठेगा।" आपरेशन सिंदूर द्वारा भारत ने न केवल आतंकियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की, बल्कि यह भी दिखा दिया कि भारतीय सशस्त्र बल और सरकार आतंकवाद के संपूर्ण उन्मूलन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हालांकि आतंकियों और उनके शिविरों को नष्ट करना एक आवश्यक कदम है, पर यह पर्याप्त नहीं है। आतंकवाद खत्म करने के लिए उस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा, जो उसे आर्थिक, वैचारिक, राजनीतिक समर्थन देता है। जब तक इस संरचना को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक यह समस्या लौट–लौट कर आती रहेगी। भारत ने वै. श्विक मंचों पर उन राष्ट्रों को भी बेनकाब किया है, जो आतंक को रणनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल करते हैंभारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर यही स्पष्ट संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित करता रहेगा, तब तक उसे आर्थिक या कूटनीतिक लाभ नहीं मिलेगा। सिंधु नदी प्रणाली उसकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आतंकवाद ऐसा वायरस है जो सीमाओं की परवाह नहीं करता। आतंकी घटनाओं से प्रभावित देशों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। यह समय की मांग है कि वै. श्विक समुदाय राजनीतिक स्वार्थ छोड़कर आतंक के विरुद्ध एकजुट हो। किसी रणनी. तिक गठबंधन या राजनीतिक झुकाव को इस वैश्विक लड़ाई की दिशा और प्रभाव को कमजोर नहीं करना चाहिए। इस लड़ाई में सबसे बुनियादी कदम आतंकवाद की एक सर्वस्वीकृत और व्यावहारिक परिभाषा तय करना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन' के माध्यम से इस दिशा में प्रयास किया है, किंतु अब तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई है। इस कारण आतंकी हमलों की जांच, कानूनी कार्रवाई और अभियुक्तों के प्रत्यर्पण जैसी प्रक्रियाएं बाधित होती हैं। वैश्विक समुदाय शीघ्र आतंकवाद की एक स्पष्ट परिभाषा तय करे, ताकि उसके विरुद्ध कार्रवाई प्रभावी और न्यायपूर्ण हो सकेअंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को भी यह समझना होगा कि पाकिस्तान को दिए जाने वाले बेलआउट पैकेज और ऋण किस प्रकार सीमा पार आतंकवाद के पोषण में खर्च होते हैं। भारत ने आइएमएफ में इसी पर जोर दिया कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले देश को बार–बार आर्थिक सहायता देना न केवल गलत संदेश देता है, बल्कि वैश्विक मूल्यों की अवहेलना भी करता है। यह वित्तीय एजेंसियों की साख पर प्रश्नचिह्न खड़े करने के साथ पाकिस्तान जैसे देशों के लिए प्रा. `त्साहन भी बन जाता है। जब तक पाकिस. तान ईमानदारी से अपने आतंकी नेटवर्क को पूर्णतः समाप्त नहीं करता, तब तक उसे किसी प्रकार की वित्तीय सहायता नहीं दी जानी चाहिए। एफएटीएफ की ओर से उसे ग्रे लिस्ट में बनाए रखना एक तार्किक और अनिवार्य कदम है। पाकिस्तान में स्टेट और नान–स्टेट एक्टर्स में कोई विभाजन रेखा नहीं बची। जिस देश के सैन्य अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नामित लश्कर, जैश के आतंकियों के जनाजे में भाग लेते हों, उससे आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग की अपेक्षा करना भोलेपन होगायह खतरा लगातार बना हुआ है कि पाकिस्तान की परमाणु हथियारों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है और वे नान–स्टेट एक्टर्स के हाथ पहुंच सकते हैं। यह समस्त मानवता के लिए अत्यंत गंभीर खतरा है। इसलिए पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लाया जाए। छद्म युद्ध की चुनौती भी खतरनाक है। कुछ देश अपने मित्र राष्ट्रों की आड़ में पड़ोसी देशों में आतंक–अस्थिरता फैलाते हैं। जब तक इस प्रवृत्ति को उजागर नहीं किया जाएगा, तब तक यह सिलसिला चलता रहेगा। आतंकी हमलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया स्थान विशेष या पीड़ितों की राष्ट्रीयता पर आधारित नहीं होनी चाहिए। जब देश अपने स्वार्थों के अनुसार तय करते हैं कि किस हमले की निंदा करनी है और किसकी अनदेखी, तब यह आतंक के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों को कमजोर करने के साथ अप्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को वैधता प्रदान करता है। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के सुरक्षित ठिकानों का असर केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं है। अति आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल ने आतंकी संगठनों की पहुंच को वैश्विक स्तर पर विस्तृत कर दिया है। जब आतंकी खतरे किसी भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं रहे, तब उनसे निपटने के लिए वै. श्विक सहयोग अनिवार्य है।

पीड़ित ध्यान दें

यदि आप भ्रष्टाचार, भेदभाव, अन्याय, शोषण और उत्पीड़न का शिकार हैं

यदि आपकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की कोई जन सामाजिक समस्या या कोई अपराध हो रहा है तो सम्पादक 'जननायक सम्राट' को पूरे विवरण के साथ पत्र लिखकर इसकी जानकारी दें या मिलें।

इसे 'जननायक सम्राट' को प्रकाशित कर राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया जाएगा। पत्र भेजने वाले का पूरा नाम एवं पता देने आवश्यक है।इसे पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा।

मो. 8218049162
email: jannayaksamrataligarh@gmail.com
jnsnews24aligarh@gmail.com

भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दरों में 0.5: की कटौती

भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दरों में 0.5: की कटौती की है, जो विशेषज्ञों के अनुमान से अधिक है। साथ ही, कैश रिजर्व रेश्यो में 1: की कमी की गई है, जिससे बैंकों के पास कर्ज देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने इकॉनमिक ग्रोथ बढ़ाने के लिए शुक्रवार को रेपो दरों में आधा फीसदी की कटौती की, जबकि एक्सपर्ट्स इसमें 0.25: कमी का अनुमान लगा रहे थे। इसके साथ, उसने कैश रिजर्व रेश्यो में 1: की कमी का ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे। ऐसे में सस्ती दरों पर कर्ज लेकर कंपनियां नए निवेश करती हैं और उपभोक्ता खर्च करते हैं तो अर्थव्यवस्था को इससे सपोर्ट मिलेगा।वैश्विक चुनौतियांरू रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। इससे पहले उसने कहा था कि उसका ध्यान इकॉनमिक ग्रोथ को तेज करने पर है। त्ठप् के लिए रेपो दरों और कैश रिजर्व रेश्यो में कटौती करना इसलिए संभव हुआ क्योंकि उसे मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई दर के लक्ष्य से अंदर रहने की उम्मीद है। लेकिन यूक्रेन–रूस युद्ध और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ की राह चुनौतीपूर्ण हो गई है। ग्रोथ पर दबावरू जनवरी–मार्च 2025 तिमाही में भारत की ळक्च् ग्रोथ उम्मीद से अधिक 7. 4: पहुंच गई, लेकिन वित्त वर्ष 2025 के लिए यह 6.5: ही रही। यह पिछले चार वित्त वर्षों में सबसे कम विकास दर है। गौर करने की बात यह भी है कि इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2024 में यह 9.2: रही थी। स्पष्ट है कि विकास दर में गिरावट का रुख है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर परिदृश्य मुश्किल दिख रहा है।खर्च बढ़ने की आशा इसी वजह से जनवरी–मार्च 2025 तिमाही में शानदार ग्रोथ के बावजूद रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो में बड़ी कटौती के साथ रेपो दरों में भी बड़ी कमी की है। इससे बिजनेस सेंटिमेंट और कंस्यूमर सेंटिमेंट में सुधार होगा। पिछले बजट में 12 लाख तक की आमदनी पर टैक्स छूट का ऐलान किया गया था ताकि लोगों के हाथ में अतिरिक्त खर्च करने के लिए पैसा बचे। अब ब्याज दरों में बड़ी कटौती के बाद कंस्यूमर सेंटिमेंट और बेहतर होगा। म्डप् का बोझ घटेगा। ऐसे में उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी होती है तो इससे आर्थिक विकास दर में तेजी आएगी।मजबूत इकॉनमीरू रिजर्व बैंक ने अपना रुख न्यूट्रल करते हुए यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक ग्रोथ के लिए जो कर सकता है, वह कर चुका है। यानी अब बाकी कदम पॉलिसी मेकर्स को उठाना है। सरकार ने रिजर्व बैंक के कदम का स्वागत करते हुए कहा भी कि इससे ग्रोथ मोमेंटम को सपोर्ट मिलेगा और निजी क्षेत्र की तरफ से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। निजी क्षेत्र का कमजोर निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अरसे से समस्या बना हुआ है। लेकिन हालिया ग्रोथ यह भी बताती है कि बेहद मुश्किल वैश्विक माहौल में भारतीय इकॉनमी मजबूत बनी हुई है।

दृष्टिकोण चुनाव की चोरी का पूरा खेल समझिए, मैच फिक्सिंग की तरह से थे महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव राहुल गांधी

राहुल गांधी। मैंने तीन फरवरी को संसद और उसके बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में पिछले साल महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया को लेकर चिंता जाहिर की थी। चुनावों को लेकर मैंने पहले भी संदेह जताया। मैं यह नहीं कह रहा कि हर चुनाव में हर जगह धांधली होती है, पर महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। मैं छोटी–मोटी गड़बड़ियों की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा कर बड़े पैमाने पर की जा रही धांधलियों की बात कर रहा हूं। पहले भी चुनावों में कुछ अजीब तरह की चीजें होती थीं, पर 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पूरी तरह विचित्र था। इसमें इतनी भयंकर धांधली हुई कि छुपाने की तमाम कोशिश के बाद भी गड़बड़ी के स्पष्ट सुबूत दिखते हैं। यदि गैर–अधिकारिक जानकारी छोड़ दें, तो भी आधिकारिक आंकड़ों से ही गड़बड़ियों का पूरा खेल सामने आ जाता है।अंपायर तय करने वाली समिति में हेराफेरीः पहले चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 से यह सुनिश्चित किया गया कि चुनाव आयुक्त प्रधानमंत्री और गृहमंत्री द्वारा 2–1 के बहुमत से चुने जाएं और चयन समिति के तीसरे सदस्य अर्थात नेता विपक्ष के वोट को अप्रभावी किया जा सके। यानी जिन लोगों को चुनाव लड़ना है, वही 'अंपायर' भी तय कर रहे हैं। सबसे पहले तो चयन समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर उनकी जगह कैबि. बनेट मंत्री को लाने का फैसला गले नहीं उतरता। आखिर चयन समिति से एक निष्पक्ष निर्णायक को हटाकर कोई अपनी पसंद का सदस्य क्यों लाना चाहेगा? जैसे ही आप यह सवाल खुद से पूछेंगे, आपको जवाब मिल जाएगा।फर्जी वोटरों के साथ मतदाता सूची में वृद्धिः चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 8.98 करोड़ थी। पांच साल बाद मई 2024 के लोकसभा चुनाव में यह संख्या बढ़कर 9.29 करोड़ हुई। इसके सिर्फ पांच माह बाद नवंबर, 2024 के विधानसभा चुनाव तक यह संख्या बढ़कर 9.70 करोड़ हो गई। यानी पांच साल में 31 लाख की मामूली वृद्धि, वहीं सिर्फ पांच माह में 41 लाख की जबरदस्त बढ़ोतरी। वोटरों की संख्या 9.70 करोड़ पहुंचना असामान्य है, क्योंकि सरकार के खुद के आंकड़ों के मुता. बिक, महाराष्ट्र के वयस्कों की कुल आबादी 9.54 करोड़ है।मतदान प्रतिशत बढ़ा–चढ़ाकर दिखानाः ज्यादातर वोटरों और आब्जर्वर के लिए बाकी जगह की तरह महाराष्ट्र में मतदान बिल्कुल सामान्य था। लोगों ने पंक्तिबद्ध होकर मतदान किया और घर चले गए। जो शाम पांच बजे तक मतदान केंद्रों के अंदर पहुंच चुके थे, उन्हें मतदान करने की अनुमति थी। किसी मतदान केंद्र पर ज्यादा भीड़ या लंबी कतारों की खबर नहीं आई, पर चुनाव आयोग के अनुसार मतदान का दिन कहीं अधिक नाटकीय रहा। शाम पांच बजे तक मतदान प्रतिशत 58.22 था। मतदान खत्म होने के बाद भी मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ता रहा।अगली सुबह जो आखिरी आंकड़ा आया, वह 66.05 प्रतिशत था। यानी 7.83 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई, जो करीब 76 लाख वोटों के बराबर है। वोट प्रतिशत में ऐसी बढ़ोतरी महाराष्ट्र के पहले के किसी भी विधानसभा चुनाव से कहीं ज्यादा थी। इसे इससे समझा जा सकता हैरू 2009 के विधानसभा चुनाव में प्रोविजनल और अंतिम मतदान प्रतिशत के बीच केवल 0.50 प्रतिशत का अंतर था। 2014 में यह 1.08 प्रतिशत रहा। 2019 में 0.64 प्रतिशत, लेकिन 2024 में यह अंतर कई गुना बढ़ गया।चुनिंदा जगहों पर फर्जी वोटिंगः महाराष्ट्र में करीब एक लाख बूथ हैं, पर अधिकतर नए मतदाता सिर्फ 12 हजार बूथों पर ही जोड़े गए। ये बूथ उन 85 विधानसभाओं के थे, जहां लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब था। मतलब हर बूथ में शाम पांच बजे के बाद औसतन 600 लोगों ने वोट डाला। यदि हरेक को वोट डालने में एक मिनट भी लगा, तो भी मतदान प्रक्रिया 10 घंटे तक और जारी रहनी चाहिए थी, पर ऐसा कहीं नहीं हुआ। सवाल है कि ये अतिरिक्त वोट आखिर डाले कैसे गए? स्पष्ट है कि इन 85 सीटों में से ज्यादातर पर राजग ने जीत दर्ज की। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की इस बढ़ोतरी को 'युवाओं की भागीदारी का स्वागतयोग्य ट्रेंड' बताया, लेकिन यह 'ट्रेंड' सिर्फ उन्हीं 12 हजार बूथों तक सीमित रहा, बाकी 88 हजार बूथों पर नहीं।यदि यह मामला गंभीर नहीं होता तो इसे अच्छा चुटकुला कहकर हंसा जा सकता था। कामठी विधानसभा धांधली की अच्छी केस स्टडी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यहां 1.36 लाख वोट मिले, जबकि भाजपा को 1.19 लाख। 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को फिर लगभग उतने ही (1.34 लाख) वोट मिले, पर भाजपा के वोट अचानक बढ़कर 1.75 लाख हो गए। यानी 56 हजार वोटों की बढ़ोतरी। यह बढ़त उन 35 हजार नए वोटरों के कारण मिली, जिन्हें दोनों चुनावों के बीच कामठी में जोड़ा गया। लगता है, जिन लोगों ने लोकसभा चुनाव में वोट नहीं डाला और जो नए मतदाता जुड़े, उनमें से सब चुंबकीय ढंग से भाजपा की ओर ही खिंचते चले गए। यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि वोट आकर्षित करने वाला चुंबक 'कमल' जैसा था। ऐसे ही तरीकों से भाजपा ने वर्ष 2024 के विधानसभा

चुनाव में जिन 149 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से 132 जीत लीं। यानी 89 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट। यह किसी भी चुनाव में उसका सबसे बेहतर प्रदर्शन था, जबकि सिर्फ पांच माह पहले हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट मात्र 32 प्रतिशत था।सुबूत छिपाने की कोशिशः चुनाव आयोग ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब या तो चुप्पी से दिया या फिर आक्रामक रवैया अपनाकर। उसने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की फोटो सहित मतदाता सूची सार्वजनिक करने की मांग सीधे खारिज कर दी। इससे भी गंभीर बात यह रही कि विधानसभा चुनाव के एक माह बाद जब एक हाई कोर्ट ने आयोग को मतदान केंद्रों की वीडियोग्राफी और सीसीटीवी फुटेज साझा करने का निर्देश दिया, तो केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग से सलाह के बाद निर्वाचन संचालन संबंधी नियम, 1961 की धारा 93(2)(ए) में बदलाव कर दिया। इसके जरिए सीसीटीवी और इलेक्ट्रानिक रिकार्ड्स तक पहुंच सीमित कर दी गई। यह बदलाव और इसका समय, दोनों ही बहुत कुछ कहते हैं। हाल में एक जैसे यानी डुप्लीकेट ईपिक नंबर सामने आने के बाद फर्जी मतदाताओं को लेकर चिंताएं और गहरी हो गई हैं। हालांकि असली तस्वीर तो शायद इससे भी ज्यादा गंभीर है।मतदाता सूची और सीसीटीवी फुटेज लोकतंत्र को मजबूत करने के औजार हैं, न कि ताले में बंद रखने वाली सामग्री, खासकर तब, जब लो. कतंत्र से खिलवाड़ हो रहा हो। देश के लोगों को भरोसा दिलाया जाए कि किसी भी रिकार्ड को नष्ट नहीं किया गया और आगे भी नहीं किया जाएगा। अब तो यह भी संदेह है कि ऐसी धांधली कई वर्षों से चलती आ रही है। यदि रिकार्ड्स की गहराई से जांच की जाए तो न सिर्फ धोखाधड़ी के तरीके का पता चल सकता है, बल्कि यह भी कि उसमें किन–किन लोगों की भूमिका थी। दुख की बात यह है कि विपक्ष और जनता, दोनों को हर कदम पर इन रिकार्ड्स तक पहुंचने से रोका जा रहा है।भले ही कोई 'टीम' मैच फिक्स करके 'खेल' जीत जाए, लेकिन इससे संस्थाओं की साख और जनता के भरोसे को हुए नुकसान को फिर से बहाल नहीं किया जा सकता। मैच फिक्स किए गए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं।